पिहरी कर सउक

कुकुरमुत्ता का शौक

Baiga

पिहरी कर सउक

कुकुरमुत्ता का शौक

Baiga
India

http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/
आप इस काम का व्यावसायिक उपयोग करने के लिए स्वतंत्र हैं । आप इस काम के अनुकूल कर सकते हैं और इसमें जोड़ सकते हैं। आपको लेखकों, चित्रकारों, आदि के लिए कॉपीराइट और आभार देना चाहिए।

छिंदटोला म भैरा नांव कर अक आदमी राहय। ओ ले पिहरी खायके बेझा सउक राहय। ओ बजार म पिहरी खोजेले गईस पर उंहा नैको पाईस। ओ नै जानत राहय क डोंगर म पिहरी उलथै। ओ दुसर ले पुछिस,“पिहरी कहा उलथै।” उन आदमीन कहिन,“पिहरी तो डोंगर म उलथै।” तो ओ झोरा, टंगिया धरके डोंगर भग गईस।

ओ डोंगर भीत्तर घुसिस तो ओ ले मंगसी बेझा चाबिस। जहा जहा चाबै तहा तहा पिडखी होय गईस। ओ बेझा खजोईस अउर ओखर पुरो जीउ लाल होय गईस। ओ ले अक्कोठन नै मिलिस अउर घर लवट गईस। तब ओखर बाबू ओ ले देखके कथै,"कसे म तै लाल होयके आयहेस।" भैरा कथै,"मै पिहरी खोजेले गै राहंव तो मंगसी चबवायके आयहंव।"

तो बाबू कथै,“तै नैको जानस दाउ, तै कछु नैको धर राहस। अब जाबे तो फुल पेंट बंडी पेहेरके जाबे।”
फेर भैरा अपन बाबू कर बात ले सुनिस अउर दुसर दिन फुल पेंट बंडी पेहेरिस अउर पिहरी आनेले डोंगर भग गईस।
अब ओ रदा पिहरी आनिस लगभग दुई झोरा पिहरी आनिस। ओखर डौकी पिहरी रांधके ओ ले पिहरी खवाईस अउर भैरा बेझा खुस होईस।

सवाल

1) पिहरी कहा उलथै?

2) भैरा ले मंगसी काईन ख चाबिस?

3) तुम कभू गै राहव क नही पिहरी बिनेले? अपन अनुभव गुठयाओ?

Made with Bloom®